इन्कलाब ए मिशन

हिन्दी दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित | वर्ष : 08 | अंक: 14 | लखनऊ, 6 जुलाई, बुधवार 2022 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : 3.00

काशी पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

पीएम मोदी के कार्यक्रम की तैयारियों का लिया जायजा

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज काशी पहुंचे हैं। आपको बता दें कि योगी आदित्यनाथ का दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब गुरुवार को खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काशी पहुंच रहे हैं। बताया जा रहा है कि योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन को लेकर की जा रही तैयारियों का जायजा लिया और इससे जुड़े अधिकारियों को दिशा-निर्देश भी दिए हैं। काशी पहुंचने के बाद योगी आदित्यनाथ सबसे पहले बाबा विश्वनाथ धाम पहुंचे और वहां विधिवत पूजा अर्चना की। इसके बाद योगी आदित्यनाथ कार्यक्रम स्थलों का भी दौरा किया जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाना है। योगी आदित्यनाथ ने रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर का भी निरीक्षण किया। उत्तर प्रदेश में दोबारा सरकार बनने के बाद नरेंद्र मोदी की यह पहली वाराणसी की यात्रा होगी। आपको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी वाराणसी से ही सांसद हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बृहस्पतिवार को अपने संसदीय क्षेत्र 'वाराणसी' का दौरा करेंगे और इस दौरान वह 1800 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। ये परियोजनाएं बुनियादी ढांचों को दुरुस्त करने और जीवन को सुगम बनाने से जुड़ी हैं। प्रधानमंत्री अपराह्न दो बजे एलटी कॉलेज, वाराणसी में 'अक्षय-पात्र मध्याह्न भोजन रसोईघर' का उद्घाटन करेंगे। इसकी क्षमता एक लाख विद्यार्थियों के लिए मध्याह्न भोजन तैयार करने की है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि मोदी दो बजकर 45 मिनट पर 'इंटरनेशनल कोऑपरेशन एंड कन्वेंशन सेंटर'- रुद्राक्ष- का दौरा करेंगे, जहां वह राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर 'अखिल भारतीय शिक्षा समागम' का उद्घाटन करेंगे।

आपको बता दें कि सोमवार को योगी आदित्यनाथ सरकार के दूसरे कार्यकाल के 100 दिन पूरे हो गए हैं। खुद योगी आदित्यनाथ ने अपने 100 दिन को लेकर एक संवाददाता सम्मेलन किया और अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाई। अपनी इस शुरुआती कार्य अवधि का ब्योरा पेश करते हुए कहा कि ये शुरुआती 100 दिन सेवा, सुरक्षा और सुशासन के प्रति समर्पित रहे। उन्होंने कहा कि सरकार ने जो कहा सो किया के इस परंपरागत अभियान को आगे बढ़ाते हुए निर्धारित लक्ष्य से ज्यादा काम किया है। आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता ने हमें जो दूसरा कार्यकाल दिया है उसमें हम एक नई उड़ान के साथ अपनी यात्रा को आगे बढ़ा रहे हैं। हमारे मंत्रिमंडल ने सबसे पहला कार्य ऐसे 10 सेक्टर चुनने का किया, जिन पर हम व्यवस्थित कार्ययोजना बनाकर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने की कार्य योजना को आगे बढ़ा सकते हैं।

बढ़ने लगे कोरोना के मामले

चेन्नई में अनिवार्य हुआ मास्क, उल्लंघन करने पर लगेगा 500 रुपए का जुर्माना

चेन्नई। देश में कोरोना महामारी की चौथी लहर की आशंका के बीच तमिलनाडु का स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर दिखाई दे रहा है। ऐसे में राजधानी चेन्नई में मास्क को अनिवार्य करने के लिए एक बैठक का आयोजन हुआ, जहां पर दिशा-निर्देशों को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। इस बैठक में मास्क को अनिवार्य करने का निर्णय लिया गया और साथ ही साथ इसका उल्लंघन करने वालों पर जुर्माने की भी बात कही गई। बताया जा रहा है कि मास्क का उल्लंघन करने वालों पर 500 रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। हालांकि यह निर्देश बुधवार से लागू होगा। ऐसे में जोन स्तर पर टीमों का गठन किया जाएगा। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन ने बताया कि चेन्नई में मास्क पहनना अनिवार्य किया गया है। उल्लंघन करने पर 500 रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। दिशा निर्देश को कल से प्रभावी करने के आदेश हैं।

प्रदेश में कोरोना संक्रमण के मामलों में लगातार इजाफा हो रहा है। ऐसे में संक्रमण के दैनिक मामले 2600 के पार पहुंच चुके हैं। जिसको लेकर प्रशासन अलर्ट मोड पर है। चेन्नई की बात की जाए तो यहां पर रोजाना 1000 से ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं। इन्हीं तमाम मामलों को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने चेन्नई में मास्क को अनिवार्य करने का फैसला लिया और उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना लगाने के निर्देश दिए।

दिल्ली में आप से बीजेपी डरी हुई है, केजरीवाल ने कहा- जल्द हो एमसीडी चुनाव वरना हम जाएंगे कोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को कहा कि एमसीडी चुनाव नहीं कराने के लिए केंद्र अपनी शक्तियों का प्रयोग कर रहा है और गुंडागर्दी कर रहा है। दिल्ली विधानसभा में बोलते हुए, केजरीवाल ने कहा कि आप सरकार एमसीडी चुनाव समय पर कराने के लिए इस मामले में अदालत का रुख करेगी। केजरीवाल ने कहा कि एमसीडी चुनाव समय पर कराने के लिए हमें अदालत का दरवाजा खटखटाना होगा और हम करेंगे।

केजरीवाल ने दावा किया कि ऐसी बातचीत चल रही है कि दिल्ली को पूर्ण केंद्र शासित प्रदेश में बदला जा सकता है और फिर चुनाव नहीं होंगे। दिल्ली नगर निगम (संशोधन) अधिनियम, 2022 के इस साल की शुरुआत में संसद में पारित होने के बाद, राष्ट्रीय राजधानी के तीन नगर निकायों को मिलाकर दिल्ली का नया एकीकृत नगर निगम 22 मई को लागू हुआ। तीनों नगर निकाय - उत्तर, दक्षिण और पूर्वी दिल्ली नगर निगम - एकीकरण से पहले भाजपा के नियंत्रण में थे। भाजपा ने नगर निकायों को नियंत्रित किया है, जिन्हें 2012 में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा 15 वर्षों तक तीन भागों में विभाजित किया गया था। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में आप से बीजेपी डरी हुई है। वे चुनाव नहीं कराना चाहते। यह अलोकतांत्रिक है। जरूरत पड़ी तो हम मामले को कोर्ट में ले जाएंगे। दिल्ली के मंत्री सत्येंद्र जैन की गिरफ्तारी पर केजरीवाल ने कहा, यह देश के लिए काला दिन था।

कर्नाटक: होटल में वास्तु विशेषज्ञ चंद्रशेखर गुरुजी की छुरा घोंपकर हत्या

सीएम ने दिए सख्त एक्शन के निर्देश

कर्नाटक। कर्नाटक के हुबली में एक होटल में सरल वास्तु से प्रसिद्धि पा चुके चंद्रशेखर गुरुजी की चाकू मारकर हत्या कर दी गई है। इस वारदात का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आ चुका है। इसमें साफ तौर पर दिख रहा है कि होटल के रिसेप्शन पर दो लोग उन्हें चाकू मार रहे हैं। खबर तो यह भी है कि फिलहाल इस मामले को लेकर 2 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। दूसरी ओर मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने पुलिस को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इस घटना को लेकर उन्होंने कहा कि चंद्रशेखर गुरुजी की हत्या जघन्य है, यह दिन के उजाले में हुआ। वीडियो में दिख रहे दोषियों को पकड़ने के लिए मैंने पुलिस कमिश्नर लाभ राम से बात की है. पुलिस पहले से ही इस पर है। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि कुछ लोगों ने उन्हें उस होटल के लॉबी एरिया में बुलाया, जहां वह ठहरे हुए थे। एक व्यक्ति ने उसे विश किया और अचानक उसे छुरा घोंपने लगा। कई चोटों के कारण, जब तक उन्हें अस्पताल ले जाया जाता, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। हमने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश कर रहे हैं। सीसीटीवी कैमरे के फुटेज में दिख रहा है कि होटल के 'रिसेप्शन' क्षेत्र में दो लोग गुरुजी को लगातार कई बार छुरा घोंप रहे हैं। हत्यारों की धरपकड़ के लिए पुलिस ने सघन तलाशी अभियान चलाया है। घटना की जानकारी मिलते ही हुबली के पुलिस आयुक्त लाभू राम मौके पर पहुंचे। पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि मूल रूप से बगलकोटे निवासी गुरुजी ने ठेकेदार के रूप में काम करना शुरू किया, लेकिन बाद में उन्हें मुंबई में नौकरी मिल गई। इसके बाद गुरुजी मुंबई में बस गये और वास्तु परामर्श देने लगे। तीन दिन पहले गुरुजी के परिवार के एक बच्चे की मौत हुबली में हो गई थी, जिसके कारण वह यहां आए थे।

भारत सरकार के साथ ट्विटर का टकराव हो सकता है तेज

आपत्तिजनक कंटेंट हटाने से जुड़े आदेश को दी गई कानूनी चुनौती

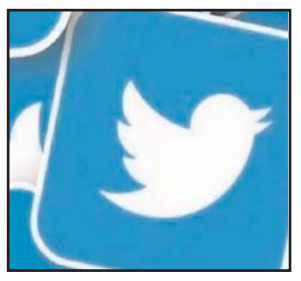

नई दिल्ली। ट्विटर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कंटेंट को हटाने के लिए भारत सरकार के कुछ आदेशों को अदालत में चुनौती देने का फैसला किया है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार इस मामले से परिचित एक सूत्र ने कहा कि ट्विटर ने कुछ अधिकारियों की तरफ से सत्ता के कथित दुरुपयोग को कानूनी चुनौती दी है। ऐसे में आपत्तिजनक कंटेंट हटाने के आदेश की न्यायिक समीक्षा की ये कोशिश इस अमेरिकी कंपनी और भारत सरकार के बीच टकराव में एक और कड़ी साबित होगी।

ट्विटर को भारतीय अधिकारियों द्वारा पिछले एक साल में एक स्वतंत्र सिख राज्य के समर्थन वाले खातों सहित कथित तौर पर किसानों द्वारा विरोध के बारे में गलत सूचना फैलाने वाले पोस्ट और सरकार द्वारा कोविड-19 महामारी से निपटने की आलोचना करने वाले ट्वीट्स पर कार्रवाई करने के लिए कहा गया। भारत के आईटी मंत्रालय ने मंगलवार को ट्विटर के कानूनी कदम के बारे में सीधा जवाब तो नहीं दिया। लेकिन उन्होंने कहा कि कोई भी कंपनी हो, किसी भी क्षेत्र में, उन्हें भारत के कानूनों का पालन करना चाहिए। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव का कहना है कि संसद द्वारा पारित कानूनों का पालन करना सभी की जिम्मेदारी है। वैष्णव ने कहा कि सोशल मीडिया जवाबदेही विश्व स्तर पर एक वैध प्रश्न बन गया है। इसे जवाबदेह ठहराना महत्वपूर्ण है, जो पहले स्व-नियमन से शुरू होगा, फिर उद्योग विनियमन, उसके बाद सरकारी विनियमन तक जाएगा। इससे पहले भारत सरकार ने कहा था कि ट्विटर सहित बड़ी सोशल मीडिया फर्मों ने कानूनी स्थिति के बावजूद हटाने के अनुरोधों का अनुपालन नहीं किया है। पिछले महीने के अंत में ट्विटर को भारत के आईटी मंत्रालय द्वारा कुछ आदेशों का पालन नहीं किए जाने पर आपराधिक कार्यवाही की चेतावनी दी गई थी।

244वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा अमेरिका 230 साल पुराने गन कल्चर को क्यों नहीं बदल सका?

वाशिंगटन। अमेरिका में एक बार फिर से मॉस शूटिंग की घटना सामने आई है। बड़ी बात ये है कि ये तब हुआ जब अमेरिका इस बार अपना 246वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा था। अमेरिका के शिकागो में स्वतंत्रता दिवस परेड के दौरान एक घर की छत से गोलियां बरसाए जाने से छह लोगों की मौत हो गई वहीं 57 लोग घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक हमला करने वाला एक 22 साल का लड़का था जिसकी पहचान रॉबर्ट ई क्रिमो के रूप में हुई है। ये घटना अमेरिका में लगातार हो रही मास शूटिंग पैटर्न का एक हिस्सा हैं। अमेरिका दुनिया के कई मुल्कों में अराजकता के नाम पर सैन्य कार्रवाई कर चुका है। लेकिन अमेरिकी समाज खुज कितना अराजक है ये मास शूटिंग के आंकड़ों से सामने आता है। आपको जानकर ये आशचर्य होगा की अमेरिका में गन खरीदना खिलौने खरीदने से भी आसान होता है।

सीनेटर डिक डर्बिन ने कहा कि मेरा दिल टूट गया। किसी नागरिक को मिलिट्री असॉल्ट गन की जरूरत नहीं है। बंदूक रखना कोई खेल या शौक नहीं है। ये किलिंग मशीन है। हाल ही में पास गन बिल बहुत महत्वपूर्ण लेकिन पर्याप्त नहीं। अमेरिका में गन खरीदने की न्यूनतम उम्र 18 साल है। मतलब आप 18 साल के हुए गन खरीदिए कोई समस्या नहीं होगी। अगर आप बड़े हथियार खरीदना चाहते हैं तो 21 साल की उम्र के होने पर ये भी आप आसानी खरीदन सकते हैं। लेकिन हां, बंदूक बेचने वालों की उम्र 21 साल होना जरूरी है। आप 21 साल के होते हैं तो बंदू बेचिए। उसमें भी कोई समस्या नहीं है। बंदू का कारोबार करने के लिए एक स्थायी पता होना चाहिए। बंदू विक्रेता के लिए मानसिक संतुलन का एक सर्टिफिकेट जरूरी होता है। मानसिक रूप से बीमार लोग बंदूक नहीं खरीद सकते हैं। इसके साथ ही नशेबाद युवाओं को बंदूक खरीदने-बेचने की इजाजत नहीं है। एक साल से अधिक की जेल काट चुके लोग भी गन नहीं खरीद सकते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने 25 जून को दशकों में सबसे व्यापक बंदूक हिंसा विधेयक जिसे द्विदलीय सुरक्षित समुदाय विधेयक भी कहा जा रहा है उसके ऊपर हस्ताक्षर किए। इससे पहले अमेरिकी संसद ने बंदूक हिंसा पर रोक लगाने से उद्देश्य से पेश किए गए उस विधेयक को 23 जून को आसानी से मंजूरी दी। अमेरिका में बंदूक की संस्कृति उस जमाने से है जब वहां पर ब्रिटिश शासन था। तब आकर पुलिस कोई स्थाई सुरक्षा बल नहीं था। लोगों को अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा खुद ही करनी पड़ती थी। लोगों को कहा गया कि आप अपने हथियार खरीद लीजिए और अपने और अपने परिवार की रक्षा स्वयं कीजिए।

19वीं शताब्दी तक अमेरिका को यह समझ आ गया कि गन कल्चर कभी शांति को स्थापित नहीं होने देगा। लेकिन बंदूक बनाने वाले लॉबी और कुछ नेताओं के दबाव में कभी भी इसके खिलाफ कोई सख्त कानून नहीं बन पाया। आज अमेरिका में हर दिन इसकी वजह से औसतन 100 लोग मारे जाते हैं। लोग बाजार से सामान की तरह गन खरीदते हैं और फिर इससे हत्या कर देते हैं।क्या ऑनलाइन मंगा सकते हैं बंदूकें ? 2015 में वॉशिंगटन पोस्ट में छपी एक रिपोर्ट बताती है कि अमेरिका में जनसंख्या से ज्यादा तो बंदूकें हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि जहां 2013 में अमेरिका की जनसंख्या 31 करोड़ 70 लाख थी, वहीं आम नागरिकों के पास बंदूकों की संख्या उससे ज्यादा यानि 35 करोड़ 70 लाख थी। बंदूक की इतनी ज्यादा तादाद से अंदाजा लगाया जा सकता है कि अमेरिका में गन को हासिल करना नागरिकों के लिए बहुत मुश्किल काम नहीं है। अमेरिका में बंदूक के पार्ट्स को बिना किसी लाइसेंस के ऑनलाइन खरीदा जा सकता है। लोग घर में ही बंदूकों को असेंबल कर रहे हैं। अमेरिका में क्राइम सीन पर मिले आधे हथियार ऐसे ही अवैध होते हैं। बंदूक खरीदते समय खरीदार को एक फॉर्म में नाम, पता, जन्मतिथि और नागरिकता की जानकारी देनी होती है।

एकनाथ शिंदे ने वीर सावरकर को किया नमन, बोले- हम सभी का सम्मान कर हिंदुत्व को बढ़ाएंगे आगे

मुंबई। महाराष्ट्र में राजनीतिक उठापटक के बाद एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री बने हैं। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना के 40 विधायकों ने बगावत किया था जिसके बाद महाराष्ट्र में सत्ता परिवर्तन हुआ। मुख्यमंत्री बनने के बाद सोमवार को एकनाथ शिंदे ने दादर इलाके के शिवाजी पार्क में शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे के स्मारक पहुंच कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की थी और कहा था कि उनकी सरकार आम आदमी की सरकार है। इसके बाद आज एकनाथ शिंदे ने वीर सावरकर को नमन किया। उन्होंने कहा कि आज मैं यहां स्वतंत्र वीर सावरकर जी को नमन करने आया हूं, हम लोग बालासाहेब ठाकरे के हिंदुत्व को आगे लेकर जा रहे हैं और हमारी सरकार आम लोगों की सरकार है, हम सभी का सम्मान कर हिंदुत्व को आगे बढ़ाएंगे और राज्य का विकास करेंगे

एकनाथ शिंदे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें राज्य के विकास के लिए पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन दिया है।

देशी नहीं ! ऑस्ट्रिया की ग्लोक पिस्तौल से हुई थी हत्या, जिगाना का भी हुआ इस्तेमाल

मूसेवाला हत्याकांड

नई दिल्ली। पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड को लेकर लगातार खुलासे हो रहे हैं। आपको बता दें कि सिद्धू मूसेवाला की हत्या करने के लिए शूटरों ने कोई देसी पिस्तौल का इस्तेमाल नहीं किया बल्कि उनके पास अत्याधुनिक हथियार मौजूद थे। दिल्ली पुलिस ने हाल ही में राष्ट्रीय राजधानी से दो शूटरों को गिरफ्तार किया है। जिसमें एक 19 साल का लड़का भी शामिल है। जिसने सबसे करीब से सिद्धू मूसेवाला को गोली मारी थी।

दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने रविवार रात अंकित सिरसा और सचिन भिवानी को गिरफ्तार किया। विशेष पुलिस आयुक्त (विशेष प्रकोष्ठ) एचजीएस धारीवाल ने बताया था कि रविवार को रात करीब 11 बजे हमारी टीम ने सिद्धू मूसेवाला को करीब से गोली मारने वाले सबसे कम उम्र के शूटरों में से एक अंकित सिरसा को गिरफ्तार किया है। दोनों ही लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़ गिरोह गैंग के हैं। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, हरियाणा का रहने वाला सचिन भिवानी राजस्थान में लॉरेंस बिश्नोई गैंग का काम देखता है। दिल्ली पुलिस की टीम लगातार मध्य प्रदेश, झारखंड, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, गुजरात और दिल्ली में सिद्धू मूसेवाला की हत्या में शामिल लोगों की तलाश में छापेमारी कर रही है। इस मामले में कई लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। सिद्धू मूसेवाला के पिता ने बलकौर सिंह ने कई खुलासे किए। उन्होंने बताया कि विधानसभा चुनाव के दौरान उनके बेटे को मारने के लिए 50-60 लोग पीछे पड़े हुए थे और करीब 8 बार मारने की कोशिश भी की गई थी लेकिन सिक्योरिटी होने की वजह से बेटे को कुछ नहीं हुआ। सिद्धू मूसेवाला की हत्या के करीब एक महीने बाद पिता बलकौर सिंह ने बताया कि आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार ने बेटे की सुरक्षा को कम करने में कोई कसर नहीं छोड़ी और तो और उनकी सुरक्षा वापस लेने का प्रचार भी किया।

किसान ने उगाया दुर्लभ प्रजाति का आम, रक्षा के लिए 24 घंटे तैनात हैं गार्ड्स और 12 कुत्ते

जबलपुर। वैसे तो भारत विभिन्न प्रजातियों के आम की वजह से पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। आम हर वर्ग के लोगों को खूब भाता है। छोटे हो या बड़े सभी इसे चाव से खाते हैं। लेकिन ऐसा बहुत कम ही देखने को मिला है कि किसी आम की सुरक्षा वीवीआईपी तरीके से की जाती हो। लेकिन यह सही है। दरअसल, मध्यप्रदेश के जबलपुर के एक के स्थान में दुर्लभ प्रजाति का आम उगाया है। किसान का नाम संकल्प सिंह परिहार है। इस आम की रखवाली करने के लिए बगीचे में आधा दर्जन गार्ड्स और लगभग 12 कुत्ते तैनात हैं। आम की खासियत यही है कि इसकी कीमत फिलहाल बाजार में लगभग ढाई लाख रुपए प्रति किलो है। बताया जा रहा है कि यह जापानी किस्म का आम है जिसे टाइयो नो टमैंगोश कहा जाता है।

संकल्प सिंह परिहार का यह बगीचा जबलपुर शहर से लगभग 20 किलोमीटर की दूरी पर है। उनके बगान में लगभग 52 किस्मों के आम हैं। इसमें मल्लिका और परी विदेशी वैरायटी भी शामिल है। इतना ही नहीं, संकल्प सिंह परिहार ने दुर्लभ किस्म के आम के पौधों का भी अनोखा कलेक्शन तैयार किया है। उनके आम की प्रसिद्धि आसपास के इलाके में खूब है और आम की कीमत को देखते हुए उसकी लगातार सुरक्षा रखी जाती है। आसपास के लोग भी उनके बागान में आम को देखने आते हैं। बगीचे में आम के हजारों पेड़ हैं। लेकिन यह आप अपने आप में बेहतर है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत को देखते हुए इस पर सख्त निगरानी रखी जाती है। इसको लेकर संकल्प सिंह परिहार का बयान भी सामने आया है। अपने बयान में संकल्प परिहार ने कहा कि हमारे बगीचे में करीब 52 किस्म के आम हैं। उन्होंने कहा कि रात में सुरक्षा का ज्यादा ध्यान रखना पड़ता है। जिसके लिए कुत्तें सबसे बेहतर विकल्प हैं। मियाजाकी जो जापान की प्रजाति है सबसे प्रमुख है। हालांकि पहले परिहार परिवार का खेती मुख्य पेशा हुआ करता था। लेकिन कुछ वक्त बाद व्यवसाय के सिलसिले में उनका परिवार जबलपुर आ गया। बावजूद इसके संकल्प पर परिहार ने खेती करने का फैसला लिया। तब उनके घर वालों ने इसका विरोध किया था। लेकिन आज उन्होंने अपनी मेहनत की बदौलत एक नया मुकाम हासिल किया है।

बेहतर हों प्रयोगशालाएं

मेडिकल जांच और उपचार व्यवस्था में व्याप्त खामियों को लेकर अक्सर चर्चा होती है. फिर भी, स्वास्थ्य प्रणाली की यह स्थायी समस्या वर्षों से बरकरार है. इसका सबसे बड़ा खामियाजा आम लोग उठा रहे हैं. उनके पास गंभीर बीमारियों की जांच और उपचार के लिए विकल्प भी सीमित हैं. सही जांच नहीं होने से सही उपचार भी नहीं हो पाता, कई बार तो उपचार होता रहता है और खर्च बेहिसाब बढ़ता जाता है. देश में अनेक मेडिकल कॉलेजों में मरीजों की जांच के लिए बुनियादी सुविधाएं तक नहीं हैं. गलत जांच से गैर-जरूरी दवाओं और अनावश्यक ऑपरेशन होने का भी जोखिम रहता है. संक्रमणों, कैंसर के विभिन्न चरणों, रक्त और जन्मजात विकारों की जांच विशेष प्रोटीन या बायोमार्कर द्वारा की जाती है. ऐसे डायग्नोस्टिक टेस्ट की सुविधाएं अनेक निजी और सार्वजनिक अस्पतालों में नहीं हैं. यूनिवर्सल हेल्थकेयर यानी सभी के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं का लक्ष्य, तब तक हासिल नहीं होगा, जब तक मेडिकल कॉलेजों की बीमारू प्रयोगशालाओं को दुरुस्त नहीं किया जाता. विशेषज्ञों के एक अध्ययन के मुताबिक, कैंसर, लिम्फोइड व स्तन कैंसर आदि का पता लगाने के लिए इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्रीश् (आइएचसी) तकनीक का इस्तेमाल होता है. यह सुविधा कई रा'यों के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में नहीं है. आइएचसी जांच हेतु मरीजों को प्राइवेट लैब का रुख करना पड़ता है. इसी तरह ऑटो इम्यून बीमारियों समेत कई तरह के मेडिकल डिसऑर्डर का पता लगाने के लिए इम्यूनोफ्लोरेसेंस और किडनी तथा स्किन बायोप्सी के लिए श्प्रेजेन सेक्शंसश् तकनीक का इस्तेमाल होता है, जिसके आधार पर सर्जन ट्यूमर का ऑपरेशन का प्लान बनाते हैं. गौरतलब है कि आइएचसी तकनीक का 40 साल पहले और प्रेजेन सेक्शंस का 100 वर्ष पहले इजाद हुआ था, लेकिन देश में आज भी कई मेडिकल कॉलेज इस सुविधा से महरूम हैं. प्रयोगशालाओं में जांच और उपकरण की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से पोस्टग्रेजुएशन स्तर पर शिक्षण-प्रशिक्षण भी प्रभावित हो रहा है. पैथोलॉजी विशेषज्ञ मानते हैं कि प्रयोगशालाएं नजरअंदाज होती रही हैं, जिससे पैथोलॉजी और लैब मेडिसिन में पर्याप्त निवेश नहीं हो पाया. जबकि, स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में ये दोनों ही अहम घटक हैं. नीतिगत स्तर पर इनकी उपेक्षा की कीमत मरीज अदा कर रहे हैं. जरूरी है कि स्वास्थ्य नीति में पैथोलॉजी विशेषज्ञों का भी मशविरा शामिल हो. राष्ट्रीय मेडिकल आयोग को देशभर के मेडिकल कॉलेजों में लैब की स्थिति के बारे में समुचित जानकारी जुटानी चाहिए, ताकि पैथोलॉजी तथा लैब मेडिसिन में प्रायोगिक शिक्षण की स्थिति बेहतर हो सके. देश में 520 से अधिक मेडिकल कॉलेजों में आधे से अधिक (270) सरकारी हैं, लेकिन मात्र 198 कॉलेजों में ही मानकों के अनुरूप प्रयोगशालाएं हैं. ऐसे विविध पहलुओं पर गंभीरता से विचार की जरूरत है, तभी देश में मेडिकल सेवाएं बुनियादी तौर पर मजबूत हो पायेंगी।

साइबर ठगी की चुनौती

इंटरनेट और डिजिटल तकनीक के तेज विस्तार के साथ साइबर अपराधों की संख्या में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है. सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2018 में ऐसे अपराध के 2.08 लाख से कुछ ज्यादा मामले सामने आये थे, पर 2021 तक इनमें 572 फीसदी की वृद्धि हुई और यह आंकड़ा 14 लाख से भी अधिक हो गया. उल्लेखनीय है कि 2018 की संख्या से कहीं अधिक अपराध इस वर्ष के पहले दो महीने में ही हुए हैं.इनमें हैकिंग और डेटा चोरी के प्रयासों के अलावा फर्जीवाड़े और धोखाधड़ी के मामले बड़ी तादाद में हैं. राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े उन मामलों की जानकारी देते हैं, जिनमें अपराध की शिकायत दर्ज करायी गयी. ब्यूरो के अनुसार, 2020 में ऑनलाइन बैंकिंग, एटीएम, क्रेडिट और डेबिट कार्ड तथा ओटीपी से जुड़ी धोखाधड़ी की हजारों शिकायतें आयी थीं. आये दिन खबरों में हम फर्जीवाड़ा की घटनाओं के बारे में पढ़ते-सुनते हैं. ऐसे लोगों की संख्या भी बहुत है, जो अमूमन अपने साथ हुई ऐसी घटना की शिकायत पुलिस के पास नहीं ले जाते. बैंकिंग संस्थाएं और पुलिस विभाग की ओर से निरंतर आगाह किया जाता है कि लोगों को सावधान रहना चाहिए और ईमेल या फोन के द्वारा किसी अनजान व्यक्ति को अपने खाते या ओटीपी की जानकारी नहीं साझा करनी चाहिए तथा ऐसी किसी भी प्रयास के बारे में तुरंत जानकारी देनी चाहिए, लेकिन अब भारत की टेलीकॉम नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने ऐसी वारदातों को रोकने की दिशा में अहम कदम उठाने पर विचार कर रही है. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डिजिटल तकनीक का एक अत्याधुनिक क्षेत्र है. अनेक क्षेत्रों में गूढ़ डेटा विश्लेषण और निगरानी की लिए इसका उपयोग किया जा रहा है. इसके जरिये सिम कार्डों और फोन करनेवाले के स्थान की तुरंत पहचान की प्रणाली स्थापित करने का प्रयास हो रहा है. दूरसंचार विभाग के आग्रह पर यह व्यवस्था की जा रही है. आज की तारीख में हर रोज हजारों लोग ऑनलाइन और मोबाइल फोन के द्वारा की जा रही ठगी का निशाना बन रहे हैं तथा अपने पैसे गंवा रहे हैं. ऐसे में इस तरह के उपायों की जरूरत है क्योंकि तकनीक ही बड़े पैमाने पर निगरानी कर सकती है. पिछले साल मार्च में इसी प्रकार की एक कोशिश के तहत ट्राई ने एक अन्य नयी तकनीक ब्लॉकचेन का इस्तेमाल कर बैंकों और रिटेल स्टोर चेन जैसी पंजीकृत इकाइयों को ही व्यावसायिक एसएमएस भेजने की अनुमति दी थी. झारखंड के जामताड़ा के साथ राजस्थान व उत्तर प्रदेश की सीमा से लगा मेवात क्षेत्र ऑनलाइन फर्जीवाड़ा का बड़ा केंद्र बन गया है, लेकिन देश के कई हिस्सों में छोटे-छोटे असंख्य गिरोह इस अपराध में संलग्न हैं. जानकारों की मानें, तो फर्जी नाम से सिम कार्ड जुटाने का देशव्यापी नेटवर्क सक्रिय है, पर अब यह उम्मीद की जा सकती है कि नयी तकनीकों के जरिये धोखाधड़ी के अलावा ब्लैकमेल, उगाही, धमकी, पहचान चोरी करने जैसे अन्य साइबर अपराधों को भी रोकने में मदद मिलेगी।

बर्बरता की गला काट होड़

धर्म का उन्मादीकरण इस विषाणु का जन्मदाता है, तात्कालिक राजनीतिक बढ़त हासिल करने के लिए धर्म और राजनीति का अप्राकृतिक गठबंधन इस घातक विषाणु की जीवनीशक्ति है और संविधान में लिखे मूल्यों को भूल चुके, उन्हें एकदम उलटने के लिए आमादा देश के नेता बने बैठे लोग इसके संवाहक हैं। देश और समाज को मध्ययुग में ले जाने की अपनी दिवालिया वैचारिकता और अपनी विनाशकारी आर्थिक नीतियों से उपजे जनआक्रोश को भटकाने के लिए शासकवर्ग इन विषाणुओं का भरपूर उत्पादन करता है। इन्हे मिटाने, थामने, रोकने या बांधने की बजाय इसका प्रचार प्रसार करता है। कन्हैया लाल टेलर इसी धर्मांधता से उपजी पाशविकता के शिकार हैं- मगर वे पहले शिकार नहीं है। इस तरह की यह पहली हत्या नहीं है। पिछले कुछ वर्षों से, आमतौर से पिछली तीन दशकों और खासतौर से 2014 के बाद से इस तरह की उन्मादी हत्याओं की झड़ी सी लगी हुई है।

बादल सरोज

रियाज हो या मोहम्मद, शम्भू दयाल हो या बुलंदशहर से दादरी होते हुए अलवर तक के हत्यारे -वे दोषी हैं य मगर उतने ही, बल्कि उनसे 'यादा बड़े अपराधी वे हैं जो इन मानव बमों को तैयार करते हैं। वे इधर हों या उधर- उन्हें अलग-थलग किये बिना भारत को नहीं बचाया जा सकता। इसलिए उदयपुर पर स्तब्ध और विचलित होना काफी नहीं है- रियाज और मोहम्मद को सजा देने भर से यह प्रकोप नहीं थमेगा। इसे महामारी बनने से रोकना है तो विषाणुओं और उनके पालनहारों, उनके डिस्ट्रीब्यूटर्स, सबकी शिनाख्त करनी होगी और बिना किसी रूरियायत के उनकी सफाई करनी होगी। राजस्थान के उदयपुर में एक दर्जी कन्हैया लाल की दो उन्मादियों द्वारा अत्यंत बर्बरता के साथ की गई हत्या ने पूरे देश को स्तब्ध और विचलित कर दिया है। दोनों हत्यारे कपड़े का नाप देने के बहाने कन्हैया लाल टेलर की दूकान में घुसे, उसका गला काट दिया और खुद ही इस जघन्यता का वीडियो बनाकर खुद ही उसे इंटरनेट और सोशल मीडिया साइट्स पर वायरल भी कर दिया। दोनों हत्यारे रियाज और मोहम्मद युवा हैंय पुलिस ने इन्हे राजसमंद जिले के भीम कस्बे से गिरफ्तार कर लिया है। हत्यारों ने दावा किया है कि उन्होंने यह निर्ममता कथित रूप से कन्हैया लाल द्वारा भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा के समर्थन में किये गए ट्वीट का श्बदला लेनेश् के नाम पर की गई है। 'यादातर राजनीतिक दलों सहित सभी समुदायों सहित हर फिक्रमंद भारतीय ने इसकी निंदा और भर्त्सना की है-लेकिन यह एक ऐसा हादसा है, ऐसा काण्ड है जिसकी सिर्फनिन्दा या भर्त्सना करने से इसमें अन्तर्निहित खतरे नहीं समझे जा सकते, इनसे बचने की राह नहीं बनाई जा सकती। उन्मादी हत्यारों की यह उदयपुर करतूत पागलपन की उस 'वाला की एक और बानगी है जिसके पेट्रोल में हाल के कुछ वर्षों में भारत को भिगोया और डुबोया जा रहा है। धर्म के नाम पर भड़काया जा रहा यह पागलपन सामाजिक संबन्धों, मनुष्यता, सभ्य समाज के मूल्यों और सामान्य मानवीय व्यवहार सब कुछ निगलता जा रहा है। निस्संदेह इसकी निंदा, भर्त्सना और दोषियों को कानून सम्मत सबसे बड़ी सजा दिए जाने की जरूरत है। जरूरत इस बात की भी है कि इस तरह की वारदातों के बहाने प्रतिस्पर्धी उन्माद भड़काने की हर कोशिश के खिलाफ सजग रहा जाए। उसे कड़ाई से रोका जाए। मगर इसी के साथ जरूरत इस बात की भी है कि इस तरह के उन्मादी पागलपन के कारणों की तलाश की जाए। इस सांघातिक बीमारी के विषाणुओं की शिनाख्त की जाए और उन्हें संक्रामक होने से रोका जाए। इस हत्याकाण्ड के बाद से कुछ समझदार आवाजें उठ रही हैं कि इस घटना को सिर्फ इस घटना के रूप में देखा जाये। इस अब को किसी और तब और जब के साथ नहीं जोड़ा जाए। इस तरह के आग्रहों के पीछे छुपी भावना की अनदेखी भी कर दें तब भी उदयपुर को सिर्फ उदयपुर तक सीमित रखकर समझने की कोशिश कही नहीं पहुंचायेगी। पाशविकता के उभार को उसके पूरे विकास- इवोल्यूशन- के साथ ही समझना होगा। इसे रियाज और मोहम्मद या कन्हैया लाल या नूपुर शर्मा के बयानों तक सीमित रखकर भी नहीं समझा जा सकता। इसकी एक क्रोनोलॉजी है, इसकी उत्तरोत्तर विषाक्त होती जा रही संक्रामकता है, यह देश और समाज को जिस दिशा में ले जा रही है उस फिसलन की अंतिम मंजिल की डरावनी भयानकता है। धर्म का उन्मादीकरण इस विषाणु का जन्मदाता है, तात्कालिक राजनीतिक बढ़त हासिल करने के लिए धर्म और राजनीति का अप्राकृतिक गठबंधन इस घातक विषाणु की जीवनीशक्ति है और संविधान में लिखे मूल्यों को भूल चुके, उन्हें एकदम उलटने के लिए आमादा देश के नेता बने बैठे लोग इसके संवाहक हैं। देश और समाज को मध्ययुग में ले जाने की अपनी दिवालिया वैचारिकता और अपनी विनाशकारी आर्थिक नीतियों से उपजे जनआक्रोश को भटकाने के लिए शासकवर्ग इन विषाणुओं का भरपूर उत्पादन करता है। इन्हे मिटाने, थामने, रोकने या बांधने की बजाय इसका प्रचार प्रसार करता है। कन्हैया लाल टेलर इसी धर्मांधता से उपजी पाशविकता के शिकार हैं- मगर वे पहले शिकार नहीं है। इस तरह की यह पहली हत्या नहीं है। पिछले कुछ वर्षों से, आमतौर से पिछली तीन दशकों और खासतौर से 2014 के बाद से इस तरह की उन्मादी हत्याओं की झड़ी सी लगी हुई है। बहाना कुछ भी हो सकता है। जहां कल रियाज और मोहम्मद गिरफ्तार किये गए हैं उसी राजसमंद में 2017 में ऐसा ही एक हृदयविदारक जघन्य काण्ड हुआ था। किसी शम्भूदयाल रैगर नाम के व्यक्ति ने बिना किसी दुश्मनी, बिना किसी जान-पहचान और बिना किसी कारण के बंगाल से मजदूरी करने आये अफ्राजुल को गैंती से मार डाला था। शम्भू ने इसका वीडियो भी बनाया था और खुद ही उसे वायरल भी किया था। इस प्रकरण के सामाजिक विश्लेषण के बाद जो तथ्य आये थे उनमे शंभू की बेरोजगारी से उपजी मनोदशा के अलावा एक प्रमुख कारण सोशल मीडिया पर चल रहे विषाक्त प्रचार से उसका प्रभावित होना था। झूठी और अक्सर रची गई कहानियों को देखते-देखते वह इतना उन्मादी हो गया था कि उसकी सारी मानवीय संवेदनाएं ही समाप्त हो चुकी थी। ठीक है, शंभू दयाल रैगर तो विक्षिप्त था, मगर वे कौन थे जो उसे नायक बना रहे थे, उसके सम्मान में रामनवमी पर उसकी झांकी निकाल रहे थे, उसके लिए लाखों रुपया इकठेठा कर रहे थे? उसे लोकसभा चुनाव लड़वा रहे थे ?इन कारनामों से बने माहौल को समझे बिना बर्बरताओं के उभार को नहीं समझा जा सकता। गोडसे की पूजा इसी मनोवृत्ति को उकसाने का एक जरिया है। रियाज हो या मोहम्मद, शम्भू दयाल हो या बुलंदशहर से दादरी होते हुए अलवर तक के हत्यारे -वे दोषी हैं य मगर उतने ही, बल्कि उनसे 'यादा बड़े अपराधी वे हैं जो इन मानव बमों को तैयार करते हैं। वे इधर हों या उधर-उन्हें अलग-थलग किये बिना भारत को नहीं बचाया जा सकता। इसलिए उदयपुर पर स्तब्ध और विचलित होना काफी नहीं है- रियाज और मोहम्मद को सजा देने भर से यह प्रकोप नहीं थमेगा। इसे महामारी बनने से रोकना है तो विषाणुओं और उनके पालनहारों, उनके डिस्ट्रीब्यूटर्स, सबकी शिनाख्त करनी होगी और बिना किसी रूरियायत के उनकी सफाई करनी होगी।

आज का राशि फल

मेषः- उच्चस्तरीय लोगों के सानिध्य से मनोबल मजबूत होगा। किसी महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति होने के आसार बनेंगे। शासन-सत्ता से जुड़े लोगों को सफलता मिलेगी। भौतिक सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी।

बृषभः- अत्याधिक कर्जभार से मन परेशान होगा। कुछ नयी आकांक्षाएं मन को उद्वेलित करेंगी। रोजगार में व्यस्तता संभव। अत्याधिक पारिवारिक जिम्मेदारियां मन को बोझिल करेंगी।

मिथुनः- महत्वपूर्ण दायित्वों की समयानुकूल पूर्ति हेतु मन चिंतित होगा। नई दायित्व अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगे। कानूनी मामलों में कठिनाइयां संभव। तामसिक विचारें पर नियंतग्ररखें।

कर्कः महत्वपूर्ण कार्य के प्रति समुचित साधन व्यवस्था के लिए मन केंद्रित होगा। नई महत्वाकांक्षी योजनाएं बनेंगी किंतु समुचित साधन न होने से पूर्ति में अवरोध होगा। पुराने संबंध के प्रति प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

सिंहः- सगे-संबंधियों के सहयोग से उत्साह का संचार होगा। किसी रचनात्मक कार्य के प्रति रुचि पैदा होगी। पुराने संबंधों के भावनात्मक स्मरण से मन भावुक होगा। राजकीय क्षेत्र कुछ परिवर्तन के आसार बनेंगे।

कन्याः- आलस्य निजी महत्वपूर्ण दावित्वों की पूर्ति में बाधक होगा। मानसिक अवसाद व कार्य-पेशे में अरुचि से आर्थिक संकट की आशंका बनेगी। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्क रहें।

तुलाः- अच्छी कल्पनाएं मन पर प्रभावी होंगी परन्तु अपने मन को लक्ष्य से न भटकने दें। व्यावसायिक क्षेत्र में संबंधों का लाभ उठाएंगे। शिक्षा-प्रतियोगिता की दिशा में प्रयत्न तीव्र होगा।

वृश्चिकः- कार्य-पेशे में कुछ नई तब्दीली रुचिकर लगेगी। वर्तमान स्थिति को देखते हुए भविष्य की चिंता बढ़ेगी फिर भी कुछ नये आसार आत्मबल में वृद्धि करेंगे। घर में खुशहाली रहेगी।

धनुः- समय व स्थिति के साथ अपने स्वभाव में थोड़ा लचीलापन लाने का प्रयास करें। क्षमता से अधिक कार्यों का बोझ से बोझिल होंगे। शिक्षा-प्रतियोगिता के क्षेत्र मे सफलताएं मिलेंगी।

मकरः- आर्थिक सबलता हेतु मन नई युक्तियों पर केंद्रित होगा। कोई अचल सम्पत्ति संबंधी तनाव मन को चिंतित करेगा। पुराने संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। जरूरी कायरे में कतई देरी न करें।

कुंभः- पारिवारिक दायित्वों की समय से पूर्ति हेतु प्रयत्नशील होंगे। अ'छी सोच का लाभ प्राप्त करेंगे। परिजनों के सुख-दुख के प्रति मन में चिंता होगी। किसी महत्वपूर्ण कार्य के प्रति चिंताएं समाप्त होंगी।

मीनः- नये संबंधों के साथ आपकी सहज घुलसशीलता प्रशंसनीय है। कायरें को समयानुकूल पूर्ण करने का प्रयत्न करें। बिना वजह दूसरों की अलोचना न करें। आलस्य कतई न करें।

वर्षा जल संचयन समय की मांग

ज्ञानेंद्र रावत

जल संकट आज समूचे विश्व के समक्ष एक गंभीर समस्या है. हालात इतने खराब हैं कि 37 देश पानी की भारी किल्लत का सामना कर रहे हैं. इनमें सिंगापुर, पश्चिमी सहारा, कतर, बहरीन, जमैका, सऊदी अरब और कुवैत समेत 19 देश ऐसे हैं, जहां पानी की आपूर्ति मांग से बेहद कम है. चिंता की बात यह है कि हमारा देश इन देशों से सिर्फएक पायदान पीछे है. असलियत यह है कि दुनिया में पांच में से एक व्यक्ति की साफ पानी तक पहुंच ही नहीं है. यह सब घरेलू और औद्योगिक क्षेत्र में पानी की मांग में उल्लेखनीय बढ़ोतरी का नतीजा है. विडंबना यह है कि दुनिया में नदियों के मामले में सबसे अधिक संपन्न भारत करीब साठ करोड़ से ज्यादा आबादी पानी की समस्या से जूझ रही है और तीन-चौथाई घरों में पीने का साफपानी मयस्सर नहीं है. यह स्थिति तब है, जब यहां मानसून बेहतर रहता है. यदि हम जल गुणवत्ता की बात करें, तो हमारा देश दुनिया के 122 देशों में 120वें पायदान पर है. इसका सबसे बड़ा कारण कारगर नीति के अभाव में जल संचय, संरक्षण व प्रबंधन में नाकामी है. भूजल पानी का महत्वपूर्ण स्रोत है. पृथ्वी पर होने वाली जलापूर्ति अधिकतर भूजल पर ही निर्भर है, लेकिन चाहे सरकारी मशीनरी हो, उद्योग हो, कृषि क्षेत्र हो या आम जन, सबने इसका इतना दोहन किया है कि भूजल के लगातार गिरते स्तर के चलते जल संकट की भीषण समस्या हमारे सामने है. इससे पारिस्थितिकी तंत्र के असंतुलन की स्थिति पैदा हो गयी है. यह इस बात का संकेत है कि आने वाले दिनों में स्थिति विकराल हो सकती है.

इसे तभी रोका जा सकता है, जब पानी समुचित मात्रा में रिचार्ज हो, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में पानी का दोहन नियंत्रित हो, संरक्षण हो, भंडारण हो, ताकि वह जमीन के अंदर प्रवेश कर सके. सवाल यह अहम है कि जिस देश में भूतल व सतही विभिन्न माध्यमों से पानी की उपलब्धता 2300 अरब घनमीटर है और जहां नदियों का जाल बिछा है, जहां सालाना औसत बारिश 100 सेमी से भी अधिक होती है, जिससे 4000 अरब घनमीटर पानी मिलता हो, वहां पानी का अकाल क्यों है. असलियत में बारिश से मिलने वाले पानी में से 47 फीसदी यानी 1869 अरब घनमीटर पानी नदियों में चला जाता है. इसमें से 1132 अरब घनमीटर पानी उपयोग में लाया जा सकता है, पर इसमें से 37 फीसदी उचित भंडारण व संरक्षण के अभाव में समुद्र में बेकार चला जाता है. यदि इसी को रिचार्ज की स्पष्ट नीति के तहत भविष्य में उपयोग की दृष्टि से संरक्षित किया जाए, तो देश में पानी का कोई संकट नहीं होगा। उल्लेखनीय है कि सदियों से हमारे देश में मनुष्य और प्रकृति के द्वारा जल का संचय होता आया है. इस संबंध में सरकारी तंत्र पर समाज का आश्रित हो जाना संकट का प्रमुख कारण बन गया. इसका परिणाम जल प्रबंधन में सामुदायिक हिस्सेदारी के पतन के रूप में सामने आया और प्रकृति भी विवश हो गयी. असलियत में यह सब जल संचय के हमारे परंपरागत तौर-तरीकों की अनदेखी, झीलों, तालाबों और कुओं पर अतिक्रमण, नदी और भूजल स्रोतों का प्रदूषण, अत्याधिक पानी वाली फसलों के उत्पादन की बढ़ती चाहत, पानी की बर्बादी, बारिश के जल का उचित संरक्षण न होना, भूजल के अत्याधिक दोहन के चलते भूजल स्तर में भयावह स्तर तक गिरावट, जल प्रबंधन का अभाव, जल संचय व संरक्षण में समाज की भागीदारी का पूर्णतः अभाव, छोटे शहरों में अधिकांशतः जमीनी सतह का पक्का कर दिया जाना, अनियंत्रित व अनियोजित औद्योगिक विकास तथा विकास के वर्तमान ढांचे की अंधी दौड़ ने हमारी धरती को बंजर बनाने और पाताल के पानी के अत्याधिक दोहन में अहम भूमिका अदा की है. फिर पानी के मामले में मांग में बढ़त और जल उपलब्धता में आये दिन हो रही बेतहाशा कमी के साथ हमारी जीवनशैली में हुआ बदलाव सबसे अहम कारक है. ऐसी स्थिति में वर्षा जल संरक्षण और उसका प्रबंधन ही एकमात्र रास्ता है. पानी देश और समाज की सबसे बड़ी जरूरत है. आइए, हम भूजल रिचार्ज प्रणाली पर विशेष ध्यान दें और बारिश के जल का संचय कर देश और समाज के हितार्थ अपनी भूमिका का सही मायने में निर्वाह करें. इसमें जल संचय के पारंपरिक तौर-तरीकों के इस्तेमाल की भूमिका अहम होगी, जिसे हम बिसार चुके हैं. यह सब करने से ही समस्या से छुटकारा मिल सकता है. जीवन जल से ही शुरू होता है और अंत भी उसी से होता है. यह ध्यान देना होगा कि जल संकट की भयावहता में उत्तर और पूर्व में काफी भिन्नता है. भूमिगत जल के प्रदूषण में भी समय के साथ काफी बदलाव आया है. सबसे बड़ी बात यह है कि जर्मनी में राइन नदी की सहयोगी नदी को वहां के लोग पुनर्जीवित कर सकते हैं, तो क्या हम अपनी नदियों को पुनर्जीवन नहीं दे सकते। यह संकल्प और प्रकृति के साथ जुड़ाव से ही संभव है. आज जरूरत इस बात की है कि हम सभी प्रकृति और प्रकृति प्रदत्त संसाधनों का यथोचित सम्मान कर समाज को नयी दिशा देकर अपने राष्ट्रीय दायित्व का निर्वहन करते हुए जल संकट के निदान में अपना योगदान दें. यही सच्ची राष्ट्र सेवा होगी।

अंबेडकरनगर में 38 लाख 44 हजार बृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम की समीक्षा बैठक आयोजित

अंबेडकर नगर। नोडल अधिकारी अंबेडकर नगर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में श्री रंजन कुमार सचिव नगर विकास / जिलाधिकारी श्री सैमुअल पॉल एन, मुख्य विकास अधिकारी श्री सुधीर कुमार, अपर जिलाधिकारी श्री अशोक कुमार कनौजिया की उपस्थिति में उत्तर प्रदेश में 35 करोड़ वृक्षारोपण जन आंदोलन के अंतर्गत जनपद अंबेडकरनगर में 38 लाख 44 हजार बृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम की समीक्षा बैठक आयोजित किया गया। बैठक के दौरान सचिव महोदय द्वारा समस्त विभागों के अधिकारियों से नर्सरी से वृक्षारोपण स्थल तक पौध ढूलान तथा वृक्षारोपण हेतु तैयार किए जा रहे गड्ढों की समीक्षा किया गया। विभागीय अधिकारियों से जानकारी प्राप्त हुआ कि कुछ विभागों के गड्ढे की खुदान तथा पौध ढूलान के कार्य कंप्लीट पाए गए तथा कुछ विभागों के कार्य पूर्ण नहीं पाए गए, जिस पर सचिव महोदय द्वारा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि लक्ष्य के तहत शत-प्रतिशत पौधों का ढूलान तथा गड्ढों की खुदान आज रात तक अवश्य कंप्लीट कराया जाए। जिससे 5 जुलाई 2022 को लक्ष्य के अनुसार शत प्रतिशत वृक्ष लगाया जा सके। बैठक के दौरान जिलाधिकारी महोदय द्वारा यह आश्वस्त किया गया कि शासन द्वारा निर्धारित जनपद में प्राप्त लक्ष्य को शतप्रतिशत पूरा कराया जायेगा। बैठक के दौरान अधिकारी सुधीर कुमार, डी एफ ओ ए.के. कश्यप, अपर जिलाधिकारी अशोक कुमार कनौजिया, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ श्रीकांत शर्मा, जिला विकास अधिकारी बिरेंद्र सिंह, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार द्विवेदी तथा संबंधित विभाग के अधिकारी/कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहे।

वृक्षारोपण अभियान की तैयारी,वृक्षारोपण हेतु बनाए जा रहे गड्ढे

अंबेडकर नगर। सचिव नगर विकास उत्तर प्रदेश शासन/नोडल अधिकारी अंबेडकरनगर श्री रंजन कुमार द्वारा जिलाधिकारी श्री सैमुअल पॉल एन, मुख्य विकास अधिकारी श्री सुधीर कुमार के साथ 5 जुलाई 2022 को वृक्षारोपण अभियान की तैयारियो का विकास खण्ड अकबरपुर के अंतर्गत शिवबाबा तथा सोनगांव का निरीक्षण किया गया। सचिव महोदय द्वारा वृक्षारोपण हेतु बनाए जा रहे गड्ढे तथा लगाए जाने वाले पौधों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान शिवबाबा तथा सोनगांव में लगाए जाने वाले पौध स्थल पर लक्ष्य के अनुसार कुछ गड्ढे बने मिले तथा पौधे भी कम उपलब्ध पाए गए। जिस पर सचिव महोदय द्वारा डी एफ ओ को निर्देशित किया गया कि आज रात तक सभी स्थानों पर जितना लक्ष्य मिला है शत प्रतिशत पौधे पहुंचवाया जाए तथा 5 जुलाई 2022 को वृक्षारोपण हेतु शत प्रतिशत गड्ढे आज ही रात तक बन जाए। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए निरीक्षण के दौरान सचिव महोदय द्वारा शिवबाबा में वृक्षारोपण भी किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी , मुख्य विकास अधिकारी, जिला विकास अधिकारी, उप जिलाधिकारी अकबरपुर मौके पर उपस्थित रहे।

शराब पीकर वाहन चलाने वाले व्यक्तियों पर गाजियाबाद पुलिस ने की कार्रवाई

गाजियाबाद। गाजियाबाद में शराब पीकर वाहन चलाने वालों की अब खैर नहीं एसएसपी गाजियाबाद मुनिराज के निर्देशन में जनपद में चलाये गये DRUNK-N-DRIVE अभियान के दौरान शराब पीकर वाहन चलाने वाले लोगो पर अब पुलिस का कड़ा रबिया देखने को मिल रहा है शराब पी कर वाहन चलाने के कारण जनपद में हर महीने सैकड़ो लोग बे मौत मारे जा रहे है सड़क दुर्घटना में मौत के आकड़ो को कम करने के लिए एसएसपी मुनिराज ने जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों को निर्देशित किया है कि शराब पीकर वाहन चलाने वाले व्यक्तियों पर सख्त कार्रवाई की जाए पुलिस के इसी कर्म में कुल 169 व्यक्तियों के विरुद्द कार्यवाही की गई एवं 111 वाहनो का एम.वी एक्ट में चालान किया गया तथा 17 वाहनो को सीज भी किया गया।

वरिष्ठ पत्रकार विक्रमादित्य जी का निधन

ग़ाज़ियाबाद। लगभग 80 वर्षीय वरिष्ठ पत्रकार श्री विक्रमादित्य जी का आज प्रातः निधन हो गया। विक्रम जी मूलतः बांदा के रहने वाले थे, किन्तु इन दिनों वृद्ध आश्रम आंगन और आंचल में रह रहे थे। वरिष्ठ पत्रकार सुभाष अखिल ने बताया कि दो वर्ष पूर्व पत्रकार मित्र श्री अमरेंद्र राय ने उन्हें सूचित किया था कि विक्रम जी बहुत दयनीय अवस्था में, स्थानीय दैनिक हिंट के बारामदे में रह रहे थे। हिंट अखबार बिक जाने के कारण वे वहां अनुपयोगी हो गये थे। आजीविका या मदद के सभी साधन समाप्त हो गये थे। तब उन्हें मैं यहाँ वृद्धालय में ले आया था। आंगन और आंचल की ओर से श्रीमती सुदर्शना व रेणुका सहित सभी सहयोगियों ने अंतिम समय तक उनकी बहुत सेवा की।

विक्रमादित्य जी इससे पहले झांसी में अपना अखबार निकाला करते थे। फिर लखनऊ में भी काफी समय तक पत्रकारिता की और उसके पश्चात अहमदाबाद में वाइस ऑफ अमेरिका के संवाददाता हो गये। वहां से सेवानिवृत्त हो कर वे गाजियाबाद आ गये तथा पूर्व मेयर स्व. दिनेश चंद्र गर्ग तथा उनके बाद, पूर्व मंत्री श्री अतुल गर्ग के संरक्षण में रहे। इन्हीं के मार्फत वे हिंट के संस्थापक श्री कमल शेखरी के संपर्क में आये थे तथा कमल जी ने भी अपनी क्षमता-भर उनकी बहुत सहायता की।

विक्रमादित्य जी की पत्नी का निधन काफी पहले ही हो गया था । एक पुत्री, जो आई. आर. एस. अधिकारी थीं, वह एक अन्य आई. आर. एस. अधिकारी से विवाह करके जर्मनी में बस गईं थीं। वे चाहती थीं कि विक्रम जी उनके पास आ जाएं, किन्तु उनके स्वाभिमान ने यह स्वीकार नहीं किया। बाद में विक्रम जी ने बताया कि उनका भी निधन हो गया । वे अपने परिवार या परिजनों के बारे में बात करना पसंद नहीं करते थे।

वे काफी समय से बीमार चल रहे थे और उन्होंने यह इच्छा जाहिर की थी कि मेरे न रहने पर, मेरी देह को दधीच (भारत विकास परिषद से संबद्ध) संस्थान को दान कर दिया जाए। उनकी इच्छा के अनुसार आंगन और आंचल वृद्धालय की ओर से उनके पार्थिव शरीर को GIMS (गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज) उत्तर प्रदेश को दान कर दिया गया। उन्होंने नेत्रदान के लिए भी कहा था, अतः AIIMS के चिकित्सक, किसी अन्य को दृष्टि देने के लिए उनके नेत्र सुरक्षित ले गये। हम सभी हृदय से उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते है कि वह उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

■ **सुशील शर्मा, पत्रकार**

पुलिस ने दो अंतरराज्य वाहन चोरों को किया गिरफ्तार

गाजियाबाद। थाना लोनी बोर्डर पुलिस को मिली बड़ी सफलता लोनी बोर्डर पुलिस ने अंतर राज्य वाहन चोर गिरोह के दो सदस्यों 1आंसू पुत्र अली मोहम्मद निवासी इकराम नगर सरकारी स्कूल के पास थाना लोनी बोर्डर गाजियाबाद, 2 मुन्ना उर्फ शहजील उर्फ सरजील पुत्र नसीन उर्फ नसीम निवासी मोहल्ला बाग़रानप वार्ड नं0 54 शर्मा जी के ऑफिस के पास थाना लोनी गाजियाबाद को मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार किया गया गिरफ्तार अभियुक्तों ने पुलिस द्वारा पूछताछ पर बताया कि हम दोनों ने मोटरसाइकिल व स्कूटी कुछ दिनों पहले दिल्ली से चोरी की थी तथा हम दोनों अलग अलग स्थानों से वाहन चोरी कर के इधर उधर बेच देते है दोनों चोरो ने यह भी बताया कि हम लोग दिल्ली गाजियाबाद सहित अन्य जनपदों से भी मौका पाकर वाहन चोरी करते है और आस पास ही बेच दिया करते थे हम लोगो ने कुछ चोरी की हुई मोटरसाइकिल लालबाग के जंगलो में छिपा कर रख रखी है आज हम उन्ही को बेचने के लिए जा रहे थे तभी हमे आप लोगो ने पकड़ लिया चोरो के बताए गए उक्त स्थान पर चोरो को साथ लेकर पुलिस वहाँ पहुँची और चोरी कर छिपाए हुए वाहनो को बरामद कर लिया तथा गिरफ्तार दोनों चोरो पर सम्बंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर जेल भेज दिया गया है।

शालिनी गुप्ता ने खोड़ा नगर पालिका का पदभार किया ग्रहण

खोड़ा। अधिशासी अधिकारी शालिनी गुप्ता ने सोमवार को खोड़ा नगर पालिका कार्यालय में पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के बाद अधिशासी अधिकारी ने कार्यालय परिसर में पौधा रोपण करते हुए कहा पर्यावरण की सुरक्षा हम सबका दायित्व है। कोविड 19 के दौरान आक्सीजन की दिक्कतों ने इस बात का महसूस करा दिया है कि पर्यावरण का हरा-भरा होना कितना जरूरी है। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति से 10-10 पौधे लगाने तथा उनका संरक्षण करने का अनुरोध किया। इस दौरान अधिशासी अधिकारी ने कर्मचारियों से वार्ता कर क्षेत्र की जानकारी भी ली। अधिशासी अधिकारी ने कहा कि मुझे खुशी है कि मुझे नगर पालिका परिषद खोड़ा मकनपुर गाजियाबाद के लोगों की सेवा करने का मौका मिला है। नगर पालिका परिषद खोड़ा मकनपुर के अधिशासी अधिकारी के रूप में लोगों को बेहतर सड़क, बेहतर स्टेट लाइव, स्वच्छ और सुंदर शहर बेहतर जल आपूर्ति, कुशल युवा गरीबी उन्मूलन व बुनियादी जरूरतों को पूरा करना मेरी जिम्मेदारी है। उन्होने कहा कि नगर पालिका परिषद में पारदर्शी तरीके से काम करते हुए शासन की मंशा को पूरा किया जाएगा। नागरिकों की समस्याओं के निराकरण में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जाएगी। क्षेत्र में भूजल समस्या विकराल रूप धारण कर रही हैं। उन्होंने जिलाधिकारी व नगर पालिका अध्यक्षा रीना भाटी के सहयोग से लोगों की समस्याओं का समाधान कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने अधीनस्थ कर्मियों को सरकारी योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव लोगों तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

उद्यान विभाग से आज तीसरे दिन भी जारी है फलदार निःशुल्क पौधों का वितरण

मनोज सक्सेना

महोबा। जनपद महोबा के चारों विकास खंडों में प्रांतों कृषक पचास पौधे तीन दिन से उद्यान विभाग की पौधशाला छतरपुर रोड महोबा में प्राप्त कराए जा रहे है किसानों का उत्साह भी सराहनीय है. माननीय मुख्यमंत्री जी का प्राथमिकता का कार्यक्रम में बढ़ चढ़ कर किसानों द्वारा भागीदारी की जा रही है

जिला उद्यान अधिकारी डाक्टर बलदेव प्रसाद ने बताया की उद्यान विभाग द्वारा 186400 पौधे निःशुल्क बांटे जाना है. और यह वितरण एक सप्ताह चलेगा. पौधे किसान अपनी निजी भूमि में लगाएंगे. इसके लिये चयनित ग्राम पंचायतों में वितरण का लक्ष्य है. लक्ष्य के अनुसार पौधे उपलब्ध है। प्रभारी राजकीय पौधशाला महोबा सुलेमान खान ने बताया की अमरूद आंवला कटहर नींबू बेलपत्र सहजन कचनार गोल्ड मोहर जामुन आदि पौधे दिये जा रहे है. यदि किसान भाई थोड़ा भी ध्यान रखकर पौधों को लगाए एवं उन्हें पानी दें तो पानी बरसने में सहायक होगा. इसके साथ ही बिक्री हेतु अच्छी किस्म में अमरूद क़लमी नींबू क़लमी बेलपत्र क़लमी अनार आदि पौधे एवं शौभाकार पौधे भी उपलब्ध है।

डॉ रमा सिंह बनीं महानगर इकाई की अध्यक्ष

गाजियाबाद। नवयुग मार्केट स्थित अखिल भारतीय साहित्य परिषद ने एक बैठक कर गाजियाबाद महानगर इकाई गठन कर उसके पदाधिकारियों की घोषणा की है। वरिष्ठ साहित्यकार डाक्टर रमा सिंह को महानगर अध्यक्ष मनोनीत किया गया है और एमके सेठ संरक्षक बनाए गए हैं।

सोमवार को आयोजित बैठक में प्रदेश अध्यक्ष (उत्तर प्रदेश) देवेन्द्र देव मिर्जापुरी, प्रदेश महासचिव डॉ चेतन आनंद और सचिव अरविन्द भाटी उपस्थित रहे। महानगर इकाई के जो अन्य पदाधिकारी मनोनीत किए गए हैं, उनमें वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रमोद कुमार कुश, उपाध्यक्ष मीनाक्षी शर्मा मुसाफ़िर, सचिव अजीत श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष डाक्टर ज्योति उपाध्याय, संगठन सचिव नगेन्द्र सिशोदिया और सह सचिव श्रीमती गरिमा आर्या शामिल हैं। संस्था ने रवीन्द्र कांत त्यागी, राधेश्याम मधुकर, सुनहरी लाल तुरंत, पी कुमार और सीए कुमार साहब को भी संरक्षक मंडल में शामिल किया है। इस अवसर पर श्रीमती सीमा सागर शर्मा और डाक्टर सुधीर त्यागी ने संस्था की सदस्यता ग्रहण की। सभी ने एकमत से संकल्प लिया कि संस्था हिन्दी और साहित्य के उत्थान के लिए अपना प्रयास जारी रखेगी। साथ ही इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए समय-समय पर जिले के शिक्षण संस्थानों में कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। बैठक के दौरान काव्य गोष्ठी का भी आयोजन किया गया,

श्रद्धालुओं से भरा लोडर पलटा 2 दर्जन से अधिक घायल

मनोज सक्सेना

महोबा। उत्तर प्रदेश के महोबा जनपद में श्रद्धालुओं से भरा लोडर पलट जाने से कई लोग घायल हो गए हैं। लोडर के अनियंत्रित हो जाने के चलते घायल होने वाले सभी लोग चरखारी थानाक्षेत्र के मदारन देवी मंदिर दर्शन करने के लिए जा रहें थे .ठीक उसी वख्त होने वाले इस सड़क हादसे में दो दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए । जिसकी सूचना मिलने पर घटना स्थल पर पहुची थानाक्षेत्र की पुलिस द्वारा हादसे के दौरान घायलो को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चरखारी ले जाया गया । जहां पर चिकित्सकों द्वारा कुछ लोगों की गंभीर हालत को देखते हुए जिला चिकित्सालय महोबा रिफर कर दिया गया है । चरखारी थानाक्षेत्र के फतेहपुर निवासी जीतेन्द्र चौकीदार के परिवार के सदस्य प्रसाद चढ़ाने मदारन देवी मंदिर जा रहे थे । ये सभी लोग एक लोडर में सवार थे जिसे अरविंद नामक व्यक्ति चला रहा था .ठीक उसी वख्त चालक का लोडर से नियंत्रण छूट जाने के चलते ये सड़क हादसा हुआ है हादसे के दौरान घायल होने वालों में महिला पुरुष और बच्चे शामिल हैं । जिन्हें पुलिस द्वारा इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चरखारी ले जाया गया । जहां पर डॉक्टरों द्वारा कुछ घायलों की हालत गंभीर बताते हुए उन्हें जिला चिकित्सालय महोबा रिफर कर दिया गया है इस सड़क दुर्घटना में दो दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं।

प्रधानमंत्री से सराहना पाने पर आईएएस संतोष यादव को संजीव गुप्ता ने किया सम्मानित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कांफ्रेंस में शिक्षा के सुधार विषय पर प्रजैन्टैश में सराहना पाने वाले वरिष्ठ आईएएस संतोष यादव को समरकूल ग्रुप के चेयरमैन संजीव गुप्ता द्वारा पटका पहनाकर व प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। सोमवार को संतोष यादव राजनगर स्थित इस्कॉन मंदिर में दर्शन के लिए आये थे यहां पर उनको समर कूल ग्रुप के चेयरमैन संजीव गुप्ता ने सम्मानित किया। इस अवसर पर सुरेशदास प्रभु भी मौजूद रहे।

पीस कमेटी की मीटिंग आयोजित

साहिबाबाद। आगामी त्यौहारो,कांवड़ मेला एवं ईद के पर्व के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक, नगर द्वितीय/ट्रांस हिंडन एवं अपर पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी साहिबाबाद द्वारा साहिबाबाद थाना क्षेत्र के सम्भ्रान्त व्यक्तियों, धर्मगुरुओं, मौलवियो, गणमान्य व्यक्तियों व डिजिटल वालेयन्टर के साथ पीस कमेटी की मीटिंग का आयोजन किया गया तथा पुलिस-प्रशासन से तालमेल व सहयोग करने, क्षेत्र में आपसी भाईचारा एवं सौहार्द बनाएं रखने एवं त्यौहारो को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की गई।

विधायक ने किया ग्राम पंचायत तुलसीपुर खरिका में पौधरोपण

रामपुर मथुरा सीतापुर। सेवता विधायक ज्ञान तिवारी के द्वारा रामपुर मथुरा गेस्ट हाउस पहुंचकर आम जनमानस की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को निराकरण करने के निर्देश दिए उसके बाद ग्राम पंचायत तुलसीपुर खरिका में वृक्षारोपण किया और सभी आम जनमानस को वृक्ष लगाने के लिए प्रेरित किया और कहा कि वृक्ष धरती का आभूषण है हम लोगों के जीवन को सुखमय बनाने का कार्य करता है जो फल छाया ऑक्सीजन देते हैं तथा जल को शोधन करते हैं इसलिए हर व्यक्ति को वृक्ष लगाना अनिवार्य है।

तत्पश्चात विकासखंड पहुंच कर क्षेत्र पंचायत की बैठक में शामिल हुए और क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों का जायजा खंड विकास अधिकारी से लिया जिसमें बजट से ज्यादा कार्य कराए जाने पर नाराजगी जाहिर की और कहा की जो भी बजट आए उसका 3 गुना की कार्य करवा सकते हैं 5 वर्ष के कार्य को एक ही वर्ष में पूरा करा देंगे तो क्षेत्र पंचायत सदस्य क्या करेंगे जो भी कार्य क्षेत्र पंचायत में कराए जाएं वह क्षेत्र पंचायत सदस्य की निगरानी में होना चाहिए और प्रत्येक वीडियो को कम से कम ढाई लाख रुपए का कार्य दिया जाए और कहा सरकार की योजनाओं को सभी गरीबों तक पहुंचाने के लिए विधवा वृद्धा पेंशन के लिए इधर-उधर भटकना ना पड़े सभी लाभार्थियों को सही मार्गदर्शन देकर उनका कार्य प्राथमिकता पर करवाये जाय इस अवसर पर महमूदाबाद विधायक आशा मौर्य ब्लाक प्रमुख तारा देवी खंड विकास अधिकारी ऐश्वर्य यादव खंड शिक्षा अधिकारी नवीन कुमार पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ राकेश मलिक जेईई कमलेश मौर्य भूषण शुक्ला लक्ष्मी नारायण मौर्य मंडल अध्यक्ष मनोज सिंह किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष सतनाम सिंह तथा क्षेत्र पंचायत सदस्य प्रधान गण मौजूद रहे।

ऊर्जा राज्य मंत्री ने किया वन महोत्सव कार्यक्रम का आगाज

मनोज सक्सेना

महोबा। उत्तर प्रदेश के महोबा जनपद में ऊर्जा राज्य मंत्री सोमेंद्र सिंह तोमर वन महोत्सव कार्यक्रम का आगाज किया है कार्यक्रम में बतौर मुख्यअतिथि पहुचे ऊर्जा राज्य मंत्री ने इस मौके पर सभी से पौधरोपण करने की अपील की है । कार्यक्रम के दौरान सदर विधायक राकेश गोस्वामी और डीएम महोबा मनोज कुमार समेत बीजेपी पार्टी के तमाम कार्यकर्ता और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे । इस मौके पर सदर विधायक राकेश गोस्वामी ने वन महोत्सव कार्यक्रम को पर्यावरण के लिए अति महत्वपूर्ण बताया है । इसी के साथ ही डीएम महोबा ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों से पूर्वजो के नाम पर एक पौधा रोपित किए जाने का आवाहन किया है । मुख्यालय के केंद्रीय विद्यालय में वन महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम के दौरान ऊर्जा राज्य मंत्री समेत सदर विधायक और तमाम आला अधिकारी मौजूद रहे ।इस मौके पर ऊर्जा राज्य मंत्री सोमेंद्र सिंह तोमर ने 5 महिलाओं को पौधे वितरित कर पौधरोपण को बढ़ावा देने की अपील की है । इसी के साथ ही जहाँ ऊर्जा राज्य मंत्री ने पीपल के तो सदर विधायक राकेश गोस्वामी ने अमरूद की पौध को रोपित कर जनता से ज्यादा से ज्यादा पौधरोपण किए जाने की अपील की है । आपको बतादें की वन महोत्सव कार्यक्रम में बीजेपी के तमाम कार्यकर्ता समेत जनपद के आला अफसान मौजूद रहे इस दौरान डीएम महोबा मनोज कुमार ने अवाम से उनके पूर्वजों के नाम पर पौधे लगाकर युवा वर्ग को जागरूक किए जाने की मांग की है ।

मिलजुल कर भाईचारे से मनाये त्योहार: थानाध्यक्ष

क्योलड़िया /बरेली। ईद दुल अजहा कावड़ यात्रा त्योहार को लेकर थाना अध्यक्ष ने प्रधान तथा गणमान्य लोगों को बुलाकर थाना प्रांगण में पीस कमेटी का आयोजन कर शांति से त्यौहार मनाने की अपील की थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह ने बैठक का आयोजन कर ईद उल जोहा त्योहार को शांति से मनाने की अपील की कुर्बानी के बचे अवशेषों को गहरे गड्ढे में दबाने की अपील की त्योहार हिंदू मुस्लिम भाईचारा कायम तथा शांति का पैगाम देता है कावड़ यात्रा को लेकर लोगों से शांति से कावड़ यात्रा निकाले शरारती तत्व लोगों से दूर रहे जिससे हिंदू मुस्लिम एकता को खंडहर करते हैं ऐसे लोगों से बचने का प्रयास करें सभी धर्म के लोग मिलजुल कर एकता कायम करें बैठक में उपस्थित उप निरीक्षक बाबू खान जितेंद्र कुमार धामा मोहम्मद अब्बास प्रधान जुल्फिकार अली खान सुमित वर्मा मुकेश कुमार गंगवार पीर मोहम्मद रफीक अहमद दीना नाथ गंगवार शफीक अहमद जादूगर आदि लोग बैठक में शामिल हुए।

बिजली की भारी कटौती से, नगर सिरौली की स्थिति हुई हाल बेहाल

सिरौली । विजली विभाग की घोर लापरवाही से नगर सहित इलाके भीषण विजली आपूर्ति संकट तथा जले ट्रांसफार्मर न बदले जाने से लोगो मे तीव्र आक्रोश व्याप्त है और अफसर पब्लिक की इस अहम समस्या पर चुप्पी साधे हुए हैं ।तीन दिन पूर्व यहाँ ओवर लोड के चलते जला 250 केवी का ट्रांसफार्मर आज भी नहीं बदला गया जिसके चलते इस क्षेत्र से जुड़े दो सौ परिवार आज तीसरे दिन भीषण गर्मी में विन विजली के जीवनयापन कर रहे है इसके अलावा ग्राम गुलड़िया अरिल में दो माह पूर्व जले ट्रांफार्मर को तमाम ग्रामीणों की शिकायतों के उपरांत नही बदले जाने से ग्रामीण विन विजली के रहने के लिए विवश है आज सिरौली में सर्वे के नाम पर दोपहर से विजली बन्द कर दी पूरी दोपहरी लोग विन विजली के घरों में उबलते रहे । यहां बतादे की ऊपर से पूरी सप्लाई आती है। लेकिन स्थानीय स्तर पर इस कदर कटौती होती है कि दिन में लोग विजली के साथ पानी तक को तरस जाते है। और अधिकारी अपने फोन बंद रखते हैं । यानी कि मनमानी विजली की कटौती ऊपर से नही स्थानीय बिजलीघर से होती है दिन में अनगिनत सट डाउन लोकल फाल्ट आदि के कारण दिन में आपूर्ति बमुश्किल घंटे दो घंटे मिलने से लोगो मे जबरदस्त आक्रोश है तथा नाराज जनता किसी भी समय आंदोलित हो सकती है।
कश्यप वस्ती में जला ट्रांफार्मर कल तक आ जाएगा और आपूर्ति चालू कर दी जायेगी। **सुनील कुमार जेई सिरौली।**

आसिफ इब्राहीम मुस्लिम बेदारी कारवां के बहेड़ी नगर अध्यक्ष बनाए गए

बरेली। जिले के बहेड़ी मोहल्ला शेर नगर निवासी आसिफ इब्राहीम पुत्र मो.उमर नूरी को प्रदेश अध्यक्ष इं मोबशिर हुसैन ने बहेड़ी का नगर अध्यक्ष मनोनीत किया है आसिफ़ इब्राहीम पर संगठन ने भरोसा जताते हुए उन्हें बहेड़ी के नगर की जिम्मेदारी सौंपी प्रदेश अध्यक्ष इं मोबशिर हुसैन ने बताया के हमे उम्मीद है कि आसिफ़ इब्राहीम गरीब मज़लूम दबे कुचलों की आवाज़ बनकर समाज को एकजुट और मज़बूत बनाने में अपनी अहम भूमिका निभाएंगे आसिफ़ इब्राहीम ने प्रदेश अध्यक्ष द्वारा भेजी गई चिट्ठी मिलते ही अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष नज़रे आलम और प्रदेश अध्यक्ष इं मोबशिर हुसैन का शुक्रिया अदा किया और संगठन की नई ज़िम्मेदारी को कबूल करने हुए मज़बूती के साथ ज़मीनी स्तर पर संगठन को फैलाने की बात कही आसिफ़ इब्राहीम के नगर अध्यक्ष बनने पर तमाम लोगों ने मुबारक बाद दी।

संचारी रोगों के मद्देनजर नगर पंचायत ने नगर में शुरू किया विशेष सफाई अभियान

सिरौली। संचारी बीमारियों के मद्देनजर नगर पंचायत प्रशासन ने नगर में शुरू किया विशेष सफाई अभियान अधिशासी अधिकारी श्याम वचन सरोज ने बताया कि शासनादेश के तहत मद्द संचारी रोगों को लेकर अब बार्ड को चिन्हित कर नियमित सफाई अभियान चलेगा अभियान पर सफाई नायक के साथ बार्ड के सभासद नजर रखेंगे उन्होंने जनता से अपील की जहाँ भी सफाई की शिकायत हो वह उनसे संपर्क कर बताए ताकि तत्काल सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराई जा सके।

कौशल विकास मिशन अन्तर्गत हेल्थ केयर सेक्टर में प्राप्त करें प्रशिक्षण

बहराइच। प्रधानाचार्य आईटीआई प्रदीप अग्निहोत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन अन्तर्गत जनपद बहराइच में यूपीआईकान को 162 तथा सतीश ग्रामोद्योग को 54 हेल्थ केयर सेक्टर में प्रशिक्षण प्रदान करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि 18 से 35 वर्ष आयु वर्ग के प्रशिक्षण प्राप्त करने के इच्छुक अभ्यर्थियों को अधारकार्ड, हाई स्कूल व इण्टरमीडिएट की मार्कसीट, बैंक पासबुक, फोटो आवेदन के साथ आवश्यक है। अधिक जानकारी के लिए मो.नं 9473547411 व 7007071369 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी योजना के अंतर्गत अस्थाई गोवंश आश्रम स्थल के शुभारंभ

ब्यूरो चीफ आसिफ सिद्दीकी

बहराइच। हुजूरपुर के ग्राम पंचायत रमवापुर में सदर विधायिका ने आवारा पशुओं से किसानों के फसलों को ध्यान में रखते हुए तथा उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा पर खरा उतरने के लिए ग्राम पंचायत रमवापुर अस्थायी गौशाला का शुभारंभ किया जिसमें ग्राम पंचायत ताजपुर,चकुजोत , विसनापुर आदि ग्राम पंचायत के गौवंश को शरण मिल सके साथ हीअपने कार्यकर्ताओं एवं मतदाताओं धन्यवाद किया चुनाव के ग्रामीण इलाकों में माननीय श्री योगी आदित्यनाथ को उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बनाने पर आभार व्यक्त किया व बारिश में पानी जमा न हो इसके लिए अधिकारियों को साफ सफ़ाई का आदेश दिया।

श्रीमती पूर्व बेसिक शिक्षा मंत्री सदर विधायक अनुपमा जायसवाल अजीत प्रताप सिंह प्रमुख विकास खण्ड हुजूरपुर रामकुमार सिंह चौहान मैन मण्डल अध्यक्ष गोकुलपुर संदीप कुमार सिंह खण्ड विकास अधिकारी हुजुरपुर के, डी, गोस्वामी उपायुक्त श्रम रोजगार बहराइच कविता मीना आईएएस मुख्य विकास अधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र आईएएस जिलाअधिकारी बहराइच शिव नाथ गुप्ता थाना अध्यक्ष रानीपुर उपनिरीक्षक राजकुमार रावत रामकुमार सिंह प्रधान रमवापुर पप्पन सिंह रोजगार सेवक रमवापुर अनिल कुमार पांडेय ग्राम पंचायत सचिव रमवापुर दया शंकर सिंह पूर्व जिला पंचायत सदस्य आंनद गुप्ता युवा मोर्चा मण्डल अध्यक्ष गोकुलपुर आसिफ सिद्दीकी अल्फसंख्यक मण्डल अध्यक्ष गोकुलपुर हनुमान सिंहसिंह छेदन सिंह खरचू सिंह मानवाधिकार प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. संतोष कुमार पाठक जी पत्रकार आदि तमाम सम्मानित लोग मौजूद रहे।

ग्राम मंझारा तौकली में आयोजित हुआ मुख्य पौधरोपण कार्यक्रम

"हम सायादार पेड़ जमाने के काम आये, जब सूखने लगे तो जलाने के काम आये"

जिला संवादाता। सलमान अहमद

बहराइच। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की प्रेरण व प्रदेश के मा. मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के निर्देश पर वर्षाकाल 2022 में प्रदेश में चरणबद्ध रूप से पैतीस करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिसके अन्तर्गत जनपद को 71 लाख 57 हज़ार 622 पौधरोपण का लक्ष्य आवंटित हुआ है। जिले में 05 जुलाई को लगभग 50 लाख पौधरोपण के लक्ष्य को पूर्ण करने के उद्देश्य से तहसील कैसरगंज अन्तर्गत ग्राम मंझारा तौकली में मुख्य अतिथि सांसद बहराइच अक्षयवर लाल गोंड, एम.एल.सी. डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी, शासन द्वारा नामित नोडल अधिकारी श्रम आयुक्त उत्तर प्रदेश श्रीमती शकुन्तला गौतम, जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक केशव कुमार चौधरी, प्रभागीय वनाधिकारी मनीष सिंह, प्रशिक्षु आईएफएस अनुराग प्रियदर्शी, उप जिलाधिकारी महेश कुमार कैथल, एस.डी.ओ. वन डी.के. सिंह, उपायुक्त मनरेगा के.डी. गोस्वामी, वनक्षेत्राधिकारी दीपक सिंह, पूर्व ब्लाक प्रमुख मुन्ना सिंह ने अन्य अधिकारियों, गणमान्य व संभ्रान्तजन तथा बड़ी संख्या में ग्रामवासियों के साथ पौधरोपण कर अभियान का श्रीगणेश किया। मुख्य अतिथि सांसद बहराइच ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि हम सभी को वृक्षों के महत्व को समझना होगा। पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण से आसान और कारगर कोई दूसरा उपाय नहीं है। श्री गोंड ने लोगों का आहवान किया कि पौधरोपण कार्यक्रम में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर मा. प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री जी के सपने का साकार करें। सांसद ने सभी किसानों व ग्रामवासियों से अपील की कि कम से कम पॉच वृक्ष अवश्य लगायें तथा रोपित पौधों की सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान दें। एम.एल.सी. डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी ने स्थानीय भाषा का सहारा लेते हुए कार्यक्रम में मौजूद लोगों विशेषकर महिलाओं का कुशलक्षेम पूछते हुए पौधरोपण अभियान में काकी, चाची, दादी, भाभी, दीदी के साथ बहुरिया से भी सहयोग की अपील की। डॉ. त्रिपाठी ने कहा कि हम सभी लोगों को अधिकाधिक पौधरोपण के साथ उनकी सुरक्षा का भी संकल्प लेना होगा।

शासन द्वारा नामित नोडल अधिकारी श्रम आयुक्त उ.प्र. श्रीमती शकुन्तला गौतम ने कहा कि ऊर्जावान जिलाधिकारी के कुशल नेतृत्व में पौधरोपण अभियान के लिए की गई तैयारियों से मुझे आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि जिले में पौधरोपण अभियान पूरी तरह से सफल होगा। श्रीमती गौतम ने कहा कि जिले की 32 नर्सरियों में लगभग 93 लाख स्वस्थ पौधों की तैयारी इस बात का द्योतक है कि जिले में वृक्षारोपण के लिए काफी अच्छी तैयारी की गयी है। श्रीमती गौतम ने कहा कि नर्सरी के निरीक्षण के दौरान उन्हें प्रत्येक स्तर पर सभी तैयारियॉ पूर्ण मिलीं जिसके लिए प्रभागीय वनाधिकारी व उनका स्टाफ बधाई का पात्र हैं। श्रीमती गौतम ने कहा कि यहॉ पर 15 हेक्टेयर में रोपित किये गये 16500 पौधों के सुरक्षा की जिम्मेदारी ग्रामवासियों की है। उनके ऑगन में रोपित किये गये पौधों की सुरक्षा सभी का नैतिक कर्तव्य है।

जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र ने जनपदवासियों का आहवान किया कि पौधरोपण जैसे पुनीत कार्य में सहयोग प्रदान करते हुए देश के मा. प्रधानमंत्री व प्रदेश के मा. मुख्यमंत्री जी के सपने का साकार करें। डॉ. चन्द्र ने कहा कि पौधरोपण अभियान को जन आन्दोलन का रूप देने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारी की गयी। जिले की नर्सरी में लक्ष्य के सापेक्ष दोगुना पौधे तैयार किये गये हैं। डॉ. चन्द्र ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हम सब की जिम्मेदारी है। डॉ. चन्द्र ने कहा कि पर्यावरण एवं मौसम में आ रहे बदलाव इस बात का साफ इशारा कर रहे हैं कि यदि आज नही तो कभी नहीं की स्थिति हमसे ज्यादा दूर नहीं है। हमें धरती मॉ की सुरक्षा के लिए अधिक से अधिक पौध रोपित करना होगा ताकि मानव जीवन में आक्सीजन और पानी की कमी न होने पाये। डीएम डॉ. चन्द्र ने भी पौधों की सुरक्षा पर बल देते हुए ग्रामवासियों का आहवान किया कि रोपे गये पौधों को सुरक्षित रखने में मदद करें। कार्यक्रम का संचालन जन कवि शिक्षक संतोष सिंह ने किया। कार्यक्रम के दौरान सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह के रूप में समी के पौधे भेंट किये गये। जबकि कार्यक्रम के अन्त में पूर्व ब्लाक प्रमुख मुन्ना सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

मोटरसाइकिल में कार चालक ने मारी टक्कर, चार घायल

आंवला। नगर में पुरैना अलीगंज अड्डा मार्ग पर यादवों की पुलिया समीप एक तेज रफ्तार कार ने मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे बच्चा सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार बदायूं जनपद के गांव भरतपुर निवासी ओमनाथ अपने पिता,पत्नी व तीन बर्षीय पुत्र के साथ अपनी बीमार बहन को देखने आंवला थाना क्षेत्र के गांव सिहुलिया जा रहे थे।यादवों की पुलिया के समीप एक तेज रफ्तार कार ने उनकी मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे चारों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।घायलों को एम्बुलेंस लेकर अस्पताल पहुंची।स्वास्थ्य केन्द्र पर डाक्टरों द्वारा घायलों का प्राथमिक किया गया और गंभीर हालत को देखते हुए बरेली रेफर कर दिया गया। टक्कर मार कर भाग रही कार को पकड़ लिया गया लेकिन ड्राईवर भाग गया।

डाक कर्मचारी के सेवानिवृति पर दी विदाई

फूल मालाएं पहनाकर गाजे बाजे के साथ किया विदा

अज़ीज़ मोहम्मद व्यूरो चीफ़

ललितपुर। कस्वा मड़ावरा स्तिथ डाक कार्यालय में तैनात एक डाक कर्मचारी के सेवानिवृत्त होने पर साथी कर्मचारियों अधिकारी व शुभचिंतकों ने फूल मालाओं और मिठाइयां खिलाकर साथी कर्मचारी को सेवानिवृति उपरांत नए पारिवारिक सांसारिक जीवन की पारी हेतु शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए गाजे बाजे के साथ विदा किया गया।

बतादें कि मूलतः तहसील मड़ावरा अंतर्गत ग्राम गिदवाहा निवासी मूलचन्द्र रजक कस्वा मड़ावरा के डाक कार्यालय में ग्रामीण डाक सेवक(जी डी एस)के पद पर तैनात थे उन्होंने अपने सेवाकाल में विभाग में पूरी निष्ठा पूर्वक कार्य करते हुए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया व सेवानिवृत हुए उनके सेवानिवृत होने पर उनके साथी विभागीय अधिकारी कर्मचारियों ने स्थानीय डाक कार्यालय पर एक सीमित कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजन करते हुए सेवानिवृत होने जा रहे मूलचन्द्र रजक को फूलमालाओं से सम्मान करते हुए मिठाई खिलाकर गाजे बाजे के साथ बिदा किया इस दौरान उपडाकपाल खूबचन्द्र, डाक सेवक श्रीराम द्विवेदी, हरिराम साहू साडूमल, बालकिशन करिटोरन, पंचम रैकवार सौंरई, प्रदीप श्रीवास्तव गिरार, विवेक रावत गिदवाहा, कुंदन यादव सीरोन, सुरेंद्र यादव धवा, अश्विनी खरे बम्होरी, डाक एजेंट अजीज मोहम्मद,हुकुम नायक, अंशुल साहू, दीपक सोनी, सीताराम दिदोनियाँ,दिनेश सुडेले आदि उपस्थित रहे।

डीएम की अध्यक्षता में बीएड प्रवेश परीक्षा सम्बंधित तैयारियों की बैठक हुई आयोजित

ब्यूरो चीफ आशुतोष त्रिपाठी

संत कबीर नगर। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल की अध्यक्षता में आगामी 6 जुलाई 2022 को बीएड की प्रवेश परीक्षा को सकुशल, सुचिततपूर्ण, नकलविहिन व शांतिपूर्णढंग से सम्पन्न कराने हेतु तैयारियों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार मे सम्पन्न हुई।

उन्होंने बताया कि बीएड की प्रवेश परीक्षा जिले के सात विद्यालयों में बनाए गए नौ केन्द्रों पर होगी। इसमें कुल 4212 परीक्षार्थी शामिल होंगे। जिलाधिकारी ने सभी सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा नकलविहीन, सुचिता पूर्ण और सख्ती के बीच हो और जो भी कमी हो उसे तत्काल पूर्ण करा लिया जाए। उन्होंने कहा कि सभी केन्द्र व्यवस्थापक यह सुनिश्चित करेगें कि बिना पहचान पत्र के कोई भी कक्ष निरीक्षक ड्यूटी पर न रहे। ड्यटी पर लगाये गये सभी मजिस्ट्रेट कल निरीक्षण करके सभी केन्द्रों पर तैयारियों के संबंध में जायजा लें।

पुलिस अधीक्षक सोनम कुमार ने आगामी 6 जुलाई 2022 को होने वाली बीएड प्रवेश परीक्षा के संबंध में सभी केन्द्र व्यवस्थापक एवं प्रधानाचार्यो व सम्बंधित अधिकारियों को अवगत कराया है कि परीक्षा को सकुशल, सुचिततपूर्ण, नकलविहिन व शांतिपूर्णढंग से सम्पन्न कराने हेतु पुलिस फोर्स प्रत्येक परीक्षा केन्द्रो पर पर्याप्त संख्या में उपलब्ध रहेगी।

अपर जिलाधिकारी मनोज कुमार सिंह ने बताया कि आगामी 06 जुलाई 2022 को होने वाली बीएड प्रवेश परीक्षा सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में होगी। उन्होंने बताया कि इस परीक्षा में प्रत्येक केन्द्र का प्रभारी जनपद स्तरीय अधिकारी को बनाया गया है। परीक्षा की निगरानी के लिए दो सचल दल गठित किया है सभी सचल दल में पांच-पांच सदस्य हैं। परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के लिए एक जोनल और चार सेक्टर मजिस्ट्रेट बनाए गए हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक मनमोहन शर्मा ने बताया कि जिले में परीक्षा के लिए सात विद्यालयों में कुल नौ केन्द्र बनाए गए हैं।

जिसमें एचआर इंटर कॉलेज खलीलाबाद और एचआरपीजी कॉलेज में दो-दो केन्द्र बनाए गए हैं। इसके अलावा राजकीय कन्या इंटर कॉलेज, खलीलाबाद, मौलाना आजाद इंटर कॉलेज, खलीलाबाद, नेहरू कृषक इंटर कॉलेज खलीलाबाद, संतकबीर आचार्य राम बिलास इंटर कॉलेज मगहर, पीबी गर्ल्स इंटर कॉलेज खलीलाबाद को परीक्षा केन्द्र बनाया गया है। उन्होंने बताया कि नौ अधिकारियों की ड्यूटी केन्द्र प्रतिनिधि के रूप में लगाई गई है, वहीं नौ अधिकारियों को बतौर स्टैटिक मजिस्ट्रेट लगाया गया है। इस अवसर पर नोडल अधिकारी डॉ. ब्रजेश कुमार त्रिपाठी, सभी केंद्र व्यवस्थापक सहित सम्बंधित अधिकारी आदि मौजूद रहे।

संचारी रोगों पर नियंत्रण की कवायद तेज, हाई रिस्क गावों में बढ़ाईं गतिविधियां

सभी के सहयोग से संचारी रोगों पर पाया जा सकेगा काबू: जिला मलेरिया अधिकारी

मुजफ्फरनगर। मलेरिया इंस्पेक्टर संध्या जोशी के नेतृत्व में ब्लॉक पुरकाजी के हाई रिस्क गांव हरी नगर में संचारी रोग नियंत्रण अभियान के अंतर्गत आशा कार्यकर्ताओं के साथ एंटोमोलॉजिकल सर्वेक्षण, कंटेनर सर्वेक्षण, सोर्स रिडक्शन तथा स्कूली छात्रों को वेक्टर जनित रोगों से बचाव संबंधी स्वास्थ्य शिक्षा आदि गतिविधियां आयोजित हुईं। इस दौरान मलेरिया इंस्पेक्टर, आशा कार्यकर्ता, स्कूली बच्चे, अध्यापक आदि उपस्थित रहे।

मलेरिया इंस्पेक्टर संध्या जोशी ने बताया-संचारी रोग अभियान के तहत मंगलवार को ब्लॉक पुरकाजी में कई गतिविधियां आयोजित हुईं, जिसमें आशा कार्यकर्ताओं के साथ एंटोमोलॉजिकल सर्वेक्षण, कंटेनर सर्वेक्षण, सोर्स रिडक्शन किया गया। इसके साथ ही राजकीय हाई स्कूल हरिनगर ब्लॉक पुरकाजी में स्कूली बच्चों को वेक्टर जनित रोगों के बारे में जानकारी दी गयी और बचाव के तरीकों से अवगत कराया गया। इस दौरान बच्चों को साफ-सफाई के बारे में भी जानकारी दी गई।

जिला मलेरिया अधिकारी अलका सिंह ने बताया- संचारी रोग अभियान के तहत जिले में तमाम गतिविधियां की जा रही है। संचारी रोगों की रोकथाम के लिए जन जागरण अभियान में स्थानीय एएनएम तथा आशा कार्यकर्ता और स्वास्थ्यकर्मियों का भी सहयोग लगातार मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग से संचारी रोगों पर काबू पाया जा सकेगा।

पीएनबी को पीएम नरेंद्र मोदी के कर कमलों से राष्ट्रीय एमएसएमई पुरस्कार प्राप्त

नई दिल्ली। पीएनबी, देश के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, ने केंद्रीय एमएसएमई मंत्रालय द्वारा उद्यमी-भारत कार्यक्रम के तहत नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय एमएसएमई पुरस्कार 2022 में तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। यह पुरस्कार एमएसएमई क्षेत्र को बढ़ावा देने और विकास में पीएनबी के योगदान के लिए माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी जी के कर कमलों द्वारा प्रदान किया गया तथा विज्ञान भवन, नई दिल्ली में पीएनबी के एमडी एवं सीईओ श्री अतुल कुमार गोयल द्वारा ग्रहण किया गया। पीएनबी की ओर से प्रतिष्ठित सम्मान स्वीकार करते हुए, श्री अतुल कुमार गोयल, एमडी एवं सीईओ, ने कहा, ÷भारत के सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोहों में से एक में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा सम्मानित किया जाना पीएनबी के लिए एक बड़े गौरव की बात है। मैं केंद्रीय एमएसएमई मंत्रालय का एक ऐसा मंच प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त करता हूं जिसने उद्यमिता (विनिर्माण और सेवाएं), उत्पाद की गुणवत्ता, नवाचार और भी बहुत कुछ का अंगीकार करते हुए एमएसएमई के विकास को लगातार प्रोत्साहित किया है। मैं सभी उद्यमियों को उनकी सफलता की यात्रा में हम पर भरोसा करने के लिए विशेष धन्यवाद देना चाहता हूं। यह सम्मान ग्राहक-केंद्रित उत्पाद और सेवाएं प्रदान करके देश भर में एमएसएमई के विकास के प्रति पीएनबी की निरंतर प्रतिबद्धता का प्रमाण है। देश भर में एमएसएमई के विकास और संवर्धन के लिए राज्य सरकारों/केंद्र शासित प्रदेशों, आकांक्षी जिलों, संस्थानों या व्यक्तियों द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए कई श्रेणियों में भी राष्ट्रीय एमएसएमई पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं।

हैसर पेट्रोल पंप से समीप अवैध रूप से बिक रहा रु. 120 लीटर पेट्रोल, जिम्मेदार मौन

संत कबीर नगर। संत कबीर नगर। जिले के हैसर बाजार से सटे पश्चिम अवैध रूप से पेट्रौल रु.120 लीटर बिक रहा है। जिम्मेदार सब कुछ जानते हुए मौन है। विदित हो कि पेट्रौल पम्प से पेट्रोल खुले में डिब्बे में भर कर बेचना कानूनन जुर्म है। इसके बाद भी जिम्मेदारो के मिली भगत से अवैध रूप से इस समय पेट्रौल खुले में रु.120 लीटर बेचा जा रहा है ,जब कि पेट्रौल पम्प पर सरकारी रेट रु.97 लीटर है। इस प्रकरण के सम्बन्ध में पूछे जाने पर एसडीएम धनघटा डॉ रविन्द्र कुमार ने बताया कि मामला संज्ञान में नही है।जांच में सत्य पाये जाने पर पेट्रोल बिक्रेता के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अभिषेक वर्मा द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स ऐशबाग लखनऊ से मुद्रित एवं प्लाट नं.128 ग्रीन पार्क, फैजाबाद रोड, रामस्वरुप इन्जीनियरिंग कालेज के सामने, उत्तरधोना, लखनऊ (उ.प्र.) से प्रकाशित, प्रधान सम्पादक प्रताप सिंह, सम्पादक अभिषेक वर्मा RNI No: UPHIN/2015/63343 ई-मेल : deskinqalaabemission@gmail.com समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।